दिनांक 08.02.2018 को निदेशक, सूडा की अध्यक्षता में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना–सबके लिए आवास (शहरी) योजनान्तर्गत चयनित एच0एफ0ए0पी0ओ0ए0 एवं डीपीआर/पीएमसी कन्सलटेन्टों द्वारा कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक में उपस्थितिः–

1. डा0 वी0के0 सिंह, अपर निदेशक, सूडा, लखनऊ।
2. श्री अतुल सिंह चौहान, कार्यक्रम अधिकारी, सूडा, लखनऊ।
3. श्री विनोद कुमार कनौजिया, एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, सूडा।
4. श्री हितेश पाठक, एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, एस0एल0टी0सी0, सूडा, लखनऊ।
5. श्री संजोय घोष, निदेशक, मै0 स्टेसलिट सिस्टम्स लि0।
6. श्री प्रभाकर, राज्य समन्वयक, मै0 रूद्राभिषेक इन्टरप्राईजेज लि0।
7. सुश्री नवा मलिका, अरबन प्लानर, मै0 विजन ईआईएस कन्सलटिंग प्रा0लि0।
8. श्री पूर्णानन्द, तकनीकी निदेशक, मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स इण्डिया प्रा0लि0।
9. श्री मानस द्विवेदी, एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स रिसोर्स डेवलपमेन्ट।
10. श्री अनिल श्रीवास्तव, मै0 स्नो फाउण्टेन कन्सलटेन्ट्स प्रा0लि0।
11. श्री पराग गर्ग, निदेशक, मै0 क्रिएटिव कन्सोंटियम।
12. श्री शरद गोयनका, समन्वयक, मै0 स्पेस कम्बाइन।
13. श्री विनीत चौधरी, तकनीकी, मै0 वॉप्कास लि0।
14. श्री आई0पी0 गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक, मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स रिसोर्स डेवलपमेन्ट।

हाऊसिंग फॉर ऑल प्लान ऑफ एक्शनः–

1. **मै0 रूद्राभिषेक इन्टरप्राईजेज प्रा0लि0:–**मै0 रूद्राभिषेक इन्टरप्राईजेज प्रा0लि0 के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको तीन क्लस्टर (चित्रकूट, मेरठ, मुरादाबाद) आवंटित किये गये थे। तीनो क्लस्टरों में लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 198592 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 50675 स्वीकृत किये गये तथा 147917 आवेदन पत्र निरस्त किये गये, जिसमें से अब तक कुल 50675 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। एम0आई0एस0 एन्ट्री के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि अब तक 41421 एन्ट्री की जा चुकी है तथा शेष 9254 एन्ट्री की जानी है। अमान्य आधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि 257 अमान्य आधार लम्बित है, उक्त त्रुटि को सही किया जाना है। प्लान ऑफ एक्शन के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि 40 नगर निकायों के प्लान ऑफ एक्शन दिनांक 20.02.2018 तक उपलब्ध करा दिये जायेगें। लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक (आवास विस्तार) के बारे में संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 89599 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 50971 स्वीकृत किये गये तथा 38628 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। इस पर लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक (आवास विस्तार) का डाटा डीपीआर प्रिपिरेशन की टीम को तत्काल उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

   इसके अतिरिक्त भागीदारी में किफायती आवास (ए0एच0पी0) घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 183090 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 210935 स्वीकृत किये गये तथा 7070 आवेदन पत्र निरस्त किये गये।

क्रमशः.....2 पर

स्वीकृत आवेदन पत्रों के बारे में अवगत कराया गया कि वर्टिकल शिफ्टिंग के कारण स्वीकृत आवेदन पत्रों की संख्या बढ़ गयी है। वर्तमान में मेरठ नगर निगम में कार्य प्रगति पर है। ए0एच0पी0 से सम्बन्धित डाटा तत्काल श्री हितेश पाठक, एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, एस0एल0टी0सी0 को उपलब्ध कराने तथा समस्त एम0आई0एस0 एन्ट्री का कार्य दो दिवसों में पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त समस्त घटकों का प्रमाणीकरण से सम्बन्धित कार्य प्रत्येक दशा में दिनांक 17 फरवरी, 2018 तक पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

2. **मै0 स्टेसलिट सिस्टम्स लि0:**—मै0 स्टेसलिट सिस्टम्स लि0 के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको चार क्लस्टर (अलीगढ़, मिर्जापुर, फैजाबाद, कानपुर,) आवंटित किये गये थे। चारों क्लस्टरों में लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 133019 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 52072 स्वीकृत किये गये तथा 43754 आवेदन पत्र निरस्त किये गये, जिसमें से अब तक कुल 48820 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। कुल आवंटित 133 नगर निकायों में से 125 नगर निकायों में प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 08 नगर निकायों में कार्य प्रगति पर है।

एम0आई0एस0 एन्ट्री के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि अब तक 35677 की एन्ट्री की जा चुकी है तथा शेष 13143 की एन्ट्री की जानी है। अमान्य आधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि 15732 अमान्य आधार लम्बित है, जिन्हें सही किया जाना है। लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक (आवास विस्तार) के बारे में संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 64313 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 33203 स्वीकृत किये गये तथा 23461 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। इसके अतिरिक्त भागीदारी में किफायती आवास (ए0एच0पी0) घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 138213 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 52320 स्वीकृत किये गये तथा 28430 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। इस पर आवास विस्तार की सूची सम्बन्धित डीपीआर/पीएमसी कन्सलटेन्ट को तत्काल उपलब्ध कराते हुए सूडा मुख्यालय को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया। ए0एच0पी0 से सम्बन्धित डाटा तत्काल श्री हितेश पाठक, एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, एस0एल0टी0सी0 को उपलब्ध कराने तथा समस्त एम0आई0एस0 एन्ट्री का कार्य तीन दिवसों में पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त समस्त घटकों का प्रमाणीकरण से सम्बन्धित कार्य प्रत्येक दशा में दिनांक 15 फरवरी, 2018 तक पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

3. **मै0 विजन ई.आई.एस. कन्सलटिंग प्रा0लि0:**—मै0 विजन ई.आई.एस. कन्सलटिंग के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको तीन क्लस्टर (इलाहाबाद, झाँसी, सहारनपुर) आवंटित किये गये थे। तीनों क्लस्टरों में लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 112320 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 44979 स्वीकृत किये गये तथा 55721 आवेदन पत्र निरस्त किये गये, जिसमें से अब तक कुल 39679 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। एम0आई0एस0 एन्ट्री के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि अब तक 28602 की एन्ट्री की जा चुकी है तथा शेष 11077 की एन्ट्री की जानी है। लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक (आवास विस्तार) के बारे में संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 86526 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 51283 स्वीकृत किये गये तथा 45087 आवेदन पत्र निरस्त किये गये।

क्रमशः.....3 पर

इसके अतिरिक्त भागीदारी में किफायती आवास (ए0एच0पी0) घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 71995 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 49774 स्वीकृत किये गये तथा 30997 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। आई0एस0एस0आर0 घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 24754 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 3893 स्वीकृत किये गये तथा 20093 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। क्रेडिट लिंक सब्सिडी स्कीम घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 67449 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 32638 स्वीकृत किये गये तथा 28599 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। इस पर आवास विस्तार की सूची सम्बन्धित डीपीआर/पीएमसी कन्सलटेन्ट को तत्काल उपलब्ध कराते हुए सूडा मुख्यालय को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस पर नया आवास एवं आवास विस्तार की सूची सम्बन्धित डीपीआर/पीएमसी कन्सलटेन्ट को तत्काल उपलब्ध कराते हुए सूडा मुख्यालय को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही चारों घटकों से सम्बन्धित डाटा (स्वीकृत व निरस्त की सूची) सॉफ्ट कॉपी में तत्काल श्री हितेश पाठक, एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, एस0एल0टी0सी0 को उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया तथा 18 फरवरी तक निकायवार उपलब्ध कराये जाने वाले डाटा की अनुमानित तालिका तिथिवार सूडा को उपलब्ध करायें। संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि 35 निकायों में प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिस पर निर्देशित किया गया कि पूर्ण हो चुकी नगर निकायों के प्लान ऑफ एक्शन दिनांक 20.02.2018 तक उपलब्ध करायें। इसके अतिरिक्त समस्त घटकों का प्रमाणीकरण से सम्बन्धित कार्य प्रत्येक दशा में दिनांक 25 फरवरी, 2018 तक पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

4. **मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स इण्डिया प्रा0लि0:**—मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स इण्डिया प्रा0लि0 के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको चार क्लस्टर (आगरा, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी) आवंटित किये गये थे। चारों क्लस्टरों में लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 254171 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 87403 स्वीकृत किये गये तथा 136142 आवेदन पत्र निरस्त किये गये, जिसमें से अब तक कुल 86603 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। एम0आई0एस0 एन्ट्री के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि अब तक 71900 की एन्ट्री की जा चुकी है तथा शेष 14703 की एन्ट्री की जानी है। अमान्य आधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि 6422 अमान्य आधार लम्बित है, जिस पर समस्त एन्ट्री व अमान्य आधार को प्रत्येक दशा में दिनांक 18.02.2018 तक टाइमलाइन के साथ पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक (आवास विस्तार) में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 153376 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 50665 स्वीकृत किये गये तथा 111304 आवेदन पत्र निरस्त किये गया। 12769 की सूची मै0 स्नो फाउण्टेन को प्रेषित की जा चुकी है तथा शेष 37896 की सूची संस्था के पास है, जिनकी डी0पी0आर0 तैयार की जानी है। इसके अतिरिक्त भागीदारी में किफायती आवास (ए0एच0पी0) घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 214972 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 266025 स्वीकृत किये गये तथा 54129 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। क्रेडिट लिंक सब्सिडी स्कीम घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 277362 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 100313 स्वीकृत किये गये तथा 95249 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। इस पर निर्देशित किया गया कि समस्त घटकों का प्रमाणीकरण का कार्य प्रत्येक दशा में दिनांक 25.02.2018 तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया तथा समस्त डाटा (स्वीकृत व निरस्त की सूची) सॉफ्ट कॉपी में तत्काल श्री हितेश पाठक, एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, एस0एल0टी0सी0

क्रमशः.....4 पर

को उपलब्ध करायें। आई0एस0एस0आर0 घटक में संस्था द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया, जिस पर निर्देशित किया गया कि समस्त प्रोफाइलिंग के साथ–साथ घटक में प्राप्त आवेदन पत्रों के प्रमाणीकरण का कार्य दिनांक 25.02.2018 तक पूर्ण करायें।

5. **मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स फॉर रिसोर्स डेवलपमेन्ट प्रा0लि0:–**मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स फॉर रिसोर्स डेवलपमेन्ट प्रा0लि0 के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको चार क्लस्टर (आजमगढ़, बरेली, बस्ती, देवीपाटन) आवंटित किये गये थे, चारों क्लस्टरों में लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 78116 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 40984 स्वीकृत किये गये तथा 37132 आवेदन पत्र निरस्त किये गये, जिसमें से अब तक कुल 37873 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। एम0आई0एस0 एन्ट्री के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि अब तक 30893 की एन्ट्री की जा चुकी है तथा शेष 6980 की एन्ट्री की जानी है। अमान्य आधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि 7000 अमान्य आधार लम्बित है, जिस पर समस्त एन्ट्री व अमान्य आधार को प्रत्येक दशा में दिनांक 18.02.2018 तक टाइमलाइन के साथ पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण घटक (आवास विस्तार) में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 31924 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 16711 स्वीकृत किये गये तथा 15203 आवेदन पत्र निरस्त किये गया। 8477 की सूची मै0 क्रिएटिव कन्सोंटियम को उपलब्ध करायी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त भागीदारी में किफायती आवास (ए0एच0पी0) घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 28392 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 13826 स्वीकृत किये गये तथा 14666 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। क्रेडिट लिंक सब्सिडी स्कीम घटक में द्विरावृत्ति पश्चात् कुल 53075 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें 27747 स्वीकृत किये गये तथा 25332 आवेदन पत्र निरस्त किये गये। आई0एस0एस0आर0 घटक में संस्था द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया, जिस पर निर्देशित किया गया कि समस्त प्रोफाइलिंग के साथ–साथ घटक में प्राप्त आवेदन पत्रों के प्रमाणीकरण का कार्य दिनांक 25.02.2018 तक पूर्ण करायें। समस्त घटकों के प्रमाणीकरण का कार्य प्रत्येक दशा में दिनांक 25.02.2018 तक पूर्ण करने हेतु तथा समस्त डाटा (स्वीकृत व निरस्त की सूची) सॉफ्ट कॉपी में तत्काल श्री हितेश पाठक, एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, एस0एल0टी0सी0 को उपलब्ध करायें हेतु निर्देशित किया गया।

डी0पी0आर0 / पी0एम0सी0:–

1. **मै0 क्रिएटिव कन्सोंटियम:–**मै0 क्रिएटिव कन्सोंटियम के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको तीन क्लस्टर (बस्ती, देवीपाटन, आजमगढ़) आवंटित किये गये थे, जिसमें अब तक कुल 17194 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 13262 आवासों का अटैचमेन्ट किया जा चुका है तथा 3200 आवासों की जियो टेगिंग की जा चुकी है। जबकि एम0आई0एम0 पोर्टल से प्राप्त सूचना के आधार पर आवासों के जियो टेगिंग की संख्या 2197 है। इस पर नाराजगी व्यक्त की गयी तथा सर्वेयर्स की संख्या बढ़ाते हुए युद्धस्तर पर शत प्रतिशत जियो टेगिंग कराते हुए ग्राउण्डिंग का कार्य प्रारम्भ कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त 5000 की डीपीआर दि0 18.02.18 तक सम्बन्धित डूडा को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

क्रमशः.....5 पर

2. **मै0 रूद्राभिषेक इन्टरप्राईजेज प्रा0लि0:**—मै0 रूद्राभिषेक इन्टरप्राईजेज प्रा0लि0 के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको तीन क्लस्टर (मुरादाबाद, चित्रकूट, मेरठ) आवंटित किये गये थे, जिसमें अब तक कुल 50675 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 37504 आवासों का अटैचमेन्ट किया जा चुका है तथा अभी तक 7944 आवासों की जियो टेगिंग की जा चुकी है। अवगत कराया गया कि पीएमसी में मात्र 37 स्टॉफ ही रखे गये हैं, जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए 2000 जियो टैग प्रतिदिन के अनुसार सर्वेयर्स की संख्या बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त बीएलसी(ई) घटक के अन्तर्गत 15000 की डीपीआर दि0 18.02.18 तक सम्बन्धित डूडा को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

3. **मै0 स्नो फाउण्टेन कन्सलटेन्ट्स:**—मै0 स्नो फाउण्टेन कन्सलटेन्ट्स के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको चार क्लस्टर (लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, फैजाबाद) आवंटित किये गये थे, जिसमें अब तक कुल 74341 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 48544 आवासों का अटैचमेन्ट किया जा चुका है तथा अभी तक 17464 आवासों की जियो टेगिंग की जा चुकी है। दिनांक 25.02.2018 तक शत प्रतिशत जियो टेगिंग करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त बीएलसी(ई) घटक के अन्तर्गत 20000 की डीपीआर दि0 18.02.2018 तक सम्बन्धित डूडा को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

4. **मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स इण्डिया प्रा0लि0:**—संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको तीन क्लस्टर (आगरा, गोरखपुर, वाराणसी) आवंटित किये गये थे, जिसमें अब तक कुल 54828 आवासों की डीपीआर भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 44075 आवासों का अटैचमेन्ट किया जा चुका है तथा अभी तक 9821 आवासों की जियो टेगिंग की जा चुकी है। दिनांक 25.02.2018 तक शत प्रतिशत जियो टेगिंग करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त बीएलसी(ई) घटक के अन्तर्गत 20000 की डीपीआर दि0 18.02.2018 तक सम्बन्धित डूडा को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

5. **मै0 सरयू बाबू इंजीनियर्स फॉर रिसोर्स डेवलपमेन्ट प्रा0लि0:**—संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको तीन क्लस्टर (अलीगढ़, बरेली, मिर्जापुर) आवंटित किये गये थे, जिसमें अब तक कुल 47590 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 33290 आवासों का अटैचमेन्ट किया जा चुका है तथा अभी तक 4856 आवासों की जियो टेगिंग की जा चुकी है। दिनांक 25.02.2018 तक शत प्रतिशत जियो टेगिंग करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त बीएलसी(ई) घटक के अन्तर्गत 15000 की डीपीआर दि0 18.02.2018 तक सम्बन्धित डूडा को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

6. **मै0 स्पेस कम्बाइन:**—संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको एक क्लस्टर (सहारनपुर) आवंटित किया गया था, जिसमें अब तक कुल 10525 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 6249 आवासों का अटैचमेन्ट किया जा चुका है तथा अभी तक 1436 आवासों की जियो टेगिंग की जा चुकी है। अवगत कराया गया कि 33 नगर निकायों हेतु पीएमसी

क्रमश:.....6 पर

कार्य में मात्र 18 का स्टॉफ रखा गया है, जिस पर नाराजगी व्यक्त की गयी तथा स्टॉफ को बढ़ाते हुए स्वीकृत आवासों के सापेक्ष अतिशीघ्र कार्य पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त बीएलसी घटक के अन्तर्गत 10000 की डीपीआर दि0 18.02.2018 तक सम्बन्धित डूडा को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

7. **मै0 वॉप्कास लि0:–**संस्था के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उनको एक क्लस्टर (झाँसी) आवंटित किया गया था, जिसमें अब तक कुल 8497 आवासों की डी0पी0आर0 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है, जिसके सापेक्ष 6006 आवासों का अटैचमेन्ट किया जा चुका है तथा अभी तक मात्र 781 आवासों की ही जियो टेगिंग की गयी है। जियो टेगिंग की धीमी प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि पीएमसी कार्य में स्टॉफ बहुत कम है, जिस पर नाराजगी व्यक्त की गयी तथा पर्याप्त स्टॉफ बढ़ाते हुए स्वीकृत आवासों के सापेक्ष अतिशीघ्र कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त बीएलसी(ई) घटक के अन्तर्गत 5000 की डीपीआर दि0 18.02.2018 तक सम्बन्धित डूडा को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

उक्त के अतिरिक्त निम्न निर्देश दिये गये:–

(क) हाऊसिंग फॉर ऑल प्लान ऑफ एक्शन हेतु:–

1. शत–प्रतिशत एम0आई0एस0 एन्ट्री का कार्य दी गयी डेड लाईन के अन्तर्गत पूर्ण करायें।
2. अमान्य आधार की दशा में डाटा चेक कर समयान्तर्गत सही कराया जायें।
3. प्रतिदिन एम0आई0एस0 एन्ट्री व अमान्य आधार की प्रगति एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट श्री हितेश पाठक को उपलब्ध करायें तथा उक्त प्रगति प्रत्येक 03 दिन में एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट द्वारा निदेशक महोदय को अवलोकनार्थ प्रस्तुत की जायें।
4. लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (विस्तार) घटक से सम्बन्धित प्रमाणित डाटा डीपीआर/पीएमसी कन्सलटेन्ट को तत्काल उपलब्ध कराते हुए अवगत करायें।
5. समस्त घटको के प्रमाणीकरण का कार्य प्रत्येक दशा में निर्धारित तिथि तक पूर्ण करा लें।
6. सिटिजन/सी0एस0सी0 पोर्टल पर उपलब्ध डाटा का भी प्रमाणीकरण एवं रिड्रेसल दिनांक 21.02.218 तक करना सुनिश्चित करें।

(ख) डीपीआर/पीएमसी हेतु:–

1. लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (विस्तार) घटक के अन्तर्गत प्लान ऑफ एक्शन कन्सलटेन्ट से प्राप्त लाभार्थियों की डीपीआर तैयार करायें।
2. स्वीकृत डीपीआर के लाभार्थियों का शत–प्रतिशत अटैचमेन्ट दिये गये समय में पूर्ण करायें।
3. पर्याप्त स्टॉफ की संख्या बढ़ाते हुए जियो टैगिंग के कार्य में तत्काल वांछित प्रगति लाई जायें।
4. कच्चे आवासों को चिन्हित कर बिना तोड़े चूना डालकर जियो टैगिंग करा दी जायें, जिसे कालान्तर में लाभार्थी द्वारा अन्यत्र अस्थायी आवास की व्यवस्था कर आवास निर्माण का कार्य कराया जायें।

क्रमशः.....7 पर

5. प्रत्येक लाभार्थी को नियमानुसार पासबुक दिया जाए।
6. जिन निकायों में प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है, उन निकायों के प्लान ऑफ एक्शन निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत जनपद स्तरीय निगरानी समिति से कराते हुए अभिकरण को उपलब्ध करायें।
7. जियो टैगिंग हेतु निकायवार नियुक्त किये गये स्टॉफ व जिला कोर्डिनेटर का विवरण मोबाइल नम्बर सहित तत्काल सूडा में एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट श्री हितेश पाठक को उपलब्ध करायें।

अन्त में सभी एचएफएपीओए व डीपीआर/पीएमसी कन्सलटेन्ट को निर्देशित किया गया कि समय सीमान्तर्गत कार्यो को पूर्ण करना सुनिश्चित करें अन्यथा की स्थिति में शर्तों के उल्लंघन के फलस्वरूप नियमानुसार वैधानित कार्यवाही अमल में लायी जायेगी, जिसके लिए सम्बन्धित स्वयं उत्तरदायी होगें।

12.02.2018

(डा0 वी0के0 सिंह)
अपर निदेशक

संख्याः– 29 /कैम्प/अ.नि. सूडा/2017–18 दिनांक 12 फरवरी, 2018

प्रतिलिपि निम्नलिखित को अवलोकनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. प्रमुख सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग, उ0प्र0 शासन।
2. निदेशक, राज्य नगरीय विकास अभिकरण, लखनऊ।
3. समस्त हाऊसिंग फॉर ऑल प्लान ऑफ एक्शन कन्सलटेन्ट्स।
4. समस्त डी0पी0आर0/पी0एम0सी0 कन्सलटेन्ट्स।
5. एम0आई0एस0 स्पेशलिस्ट, एस0एल0टी0सी0, सूडा।
6. सहा0 परियोजना अधिकारी/वेब मास्टर, सूडा को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
7. गार्ड फाइल।

12.02.2018.

(डा0 वी0के0 सिंह)
अपर निदेशक